



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

18/4

सं० 12]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 24, 1973/चैत्र 3, 1895

No. 12]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 24, 1973/CHAITRA 3, 1895

इस भाग में सिम्ल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given in this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4

PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये विधिक नियम और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1973

का० नि० प्रा० 74.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० नि० प्रा० 10 तारीख 22 दिसम्बर, 1970 के साथ प्रकाशित सशस्त्र बल मुख्यालय आनुलिपिक सेवा नियम, 1970 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम सशस्त्र बल मुख्यालय आनुलिपिक सेवा (द्वितीय संशोधन) नियम, 1973 है।

(2) ये अगस्त, 1972 के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. नियम 2 का संशोधन :—मशरूफ बल मुख्यालय आनुलिपिक सेवा

नियम, 1970 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 2 में:—

(i) खण्ड (ख) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(ख) नियत दिन से सेवा की चयन श्रेणी 1 और श्रेणी 2 के बारे में अगस्त, 1969 का प्रथम दिन और सेवा की श्रेणी 3 के बारे में अगस्त, 1972 का प्रथम दिन अभिप्रेत है।”

(ii) खण्ड (घ) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(च) ‘सीधे भर्ती किया गया व्यक्ति’ से आयोग द्वारा श्रेणी 2 पर या नियम 13क में दी गई प्रक्रिया के अनुसार मंत्रिमंडल सचिवालय में कार्यात्मक विभाग के सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान द्वारा श्रेणी 3 पर ली गई प्रति-योगिता परीक्षा के आधार पर भर्ती किया गया कोई व्यक्ति अभिप्रेत है;”

(iii) खण्ड (ट) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :—

(ट) “परिबीक्षाधीन” में किसी अधिष्ठायी रिक्ति में या उसके प्रति परिबीक्षा पर श्रेणी 3 में सीधे पर्ची किया गया नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है ;”

(iv) खण्ड (ड) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(ड) जयन श्रेणी, श्रेणी 1 या श्रेणी 2 के सम्बन्ध में ‘जयन सूची’ से, यथास्थिति, नियम 21 के अधीन या सन्तम अनुसूची में अन्तर्विष्ट प्रक्रिया के अधीन बनाए गए विनियमों के अनुसार बसाई गई जयन सूची अभिप्रेत है ;”

(v) खण्ड (क) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(क) ‘सेवा’ से सशस्त्र बल मुख्यालय आणुलिपिक सेवा, अभिप्रेत है, जिसमें प्रथम अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट रक्षा मंत्रालय के मुख्यालयों और अन्तर सेवा संगठनों में से, किसी में जयन श्रेणी, श्रेणी 1, श्रेणी 2 और श्रेणी 3 के पद समाविष्ट हैं।”

3. **नियम 3 का अतिरिक्तः**—उक्त नियम के नियम 3 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“3-सेवा की संरचना :—(1) सेवा में 4 श्रेणियाँ होंगी, जिनका वर्गीकरण निम्नलिखित प्रकार से किया गया है :—

श्रेणी	वर्गीकरण
(i) जयन श्रेणी	केन्द्रीय सिविल सेवा वर्ग 2 अनु-सचिवीय
(ii) श्रेणी 1	
(iii) श्रेणी 2	
(iv) श्रेणी 3	केन्द्रीय सिविल सेवा वर्ग 3 अनुसचिवीय

(2) द्वितीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट पदों से सेवा की जयन श्रेणी और तृतीय अनुसूची में विनिर्दिष्ट पदों से सेवा की श्रेणी 1 गठित होगी वैयक्तिक सहायकों के सभी पदों से मिलकर, जब तक किसी विनिर्दिष्ट पद के लिए अन्यथा उपबन्धन न किया गया हो, सेवा की श्रेणी 2 बनेगी। आणुलिपिकों के सभी पदों से मिलकर, जब तक किसी विनिर्दिष्ट पद के लिए अन्यथा उपबन्धन न किया गया हो सेवा की श्रेणी 3 बनेगी। प्रथम अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट सशस्त्र बल मुख्यालयों और अन्तर सेवा संगठनों के आणु-टंककों के सभी विद्यमान पद, सशस्त्र बल मुख्यालय आणुलिपिक सेवा (द्वितीय संशोधन) नियम, 1973 के प्रवृत्त होने की तारीख से, सेवा की श्रेणी 3 के कर्तव्य पदों में परिवर्तित किये समझे जायेंगे।

(3) जयन श्रेणी और श्रेणी 1 के पद राजपत्रित और जयन पद होंगे तथा श्रेणी 2 और श्रेणी 3 के पद राजपत्रित और अजयन पद होंगे।

4. **नियम 4 का संशोधन :—**उक्त नियम 4 के नियम में, “तीनों श्रेणियों” शब्दों के स्थान पर जहाँ कहीं भी वे आएँ “चारों श्रेणियों” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएँगे।

5. **नियम 9 का संशोधन :—**उक्त नियम के नियम 9 में, ‘आरम्भिक गठन’ पार्श्व शीर्ष के स्थान पर जयन श्रेणी, श्रेणी 1 और श्रेणी 2 का ‘आरम्भिक गठन’ पार्श्व शीर्ष प्रतिस्थापित किया जाएगा।

6. **नया नियम 9 का अन्तःस्थापन :—**उक्त नियम के नियम 9 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“9क, श्रेणी 3 का आरम्भिक गठन : (1) सेवा की श्रेणी 3 के आरम्भिक गठन पर सभी स्थायी और अस्थायी कर्तव्य पदों पर नियुक्तियाँ, विभागीय अभ्यर्थियों में से की जाएँगी। इस प्रयोजन के लिए निम्नलिखित व्यक्ति विभागीय अभ्यर्थी समझे जाएँगे, अर्थात् :—

(क) वे व्यक्ति, जो 1 अगस्त 1972 के ठीक पूर्व सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी में नियमित रूप से नियुक्त हैं और जो प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट सशस्त्र बल मुख्यालयों और अन्तर सेवा संगठनों के कार्यालयों में से किसी में आणु-टंककों के पद धारण करते हैं और उसके लिए विशेष बतन पाते हैं ;

(ख) वे व्यक्ति, जो सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी के हैं और जो आणु-लिपिक, वैयक्तिक सहायक या अन्य समान पदों पर, लोकहित में, प्रतिनियुक्ति पर हैं, जिनके मामले में यह प्रमाणित किया जाता है कि यदि वे प्रतिनियुक्ति पर न होते तो प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट सशस्त्र बल मुख्यालयों और अन्तर सेवा संगठनों में 1 अगस्त, 1972 तक आणु-टंककों के पद पर बने रहते ;

(2) सेवा की श्रेणी 3 के पद ऐसे विभागीय अभ्यर्थियों की नियुक्ति द्वारा भरे जाएँगे, जो आणु-टंककों के पद धारण करते हैं और उप-नियम (1) के खण्ड (क) और (ख) में निर्दिष्ट हैं ;

परन्तु उन्होंने रक्षा मंत्रालय के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के कार्यालय द्वारा ली गई आणु-लिपिक परीक्षा भी उत्तीर्ण की हो ;

परन्तु यह और कि उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को सशस्त्र बल मुख्यालय आणु-लिपिक सेवा में सम्मिलित होने या सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा में बने रहने के लिए विकल्प दिया जाएगा। एक बार प्रयुक्त किया गया विकल्प अन्तिम माना जाएगा। उनमें से ऐसे, जो सशस्त्र बल मुख्यालय आणु-लिपिक सेवा में सम्मिलित होने का विकल्प देने हैं, उनके आरे में यह नमूदा जाएगा कि उन्होंने सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा से अपना सम्बन्ध त्याग दिया है और, उस सेवा में वे प्रोन्नति के लिए पात्र नहीं होंगे। जो निम्न श्रेणी में स्थायी हैं, जब तक उनकी सशस्त्र बल मुख्यालय आणु-लिपिक सेवा में पुष्टि नहीं की जाती, तब तक सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा में ऐसे पदों पर पुनर्ग्रहणाधिकार के लिए उन्हें अज्ञात किया जाएगा। जो 1 अगस्त, 1972 की पूर्ववर्ती तारीख से निम्न श्रेणी में पुष्टि के लिए पात्र हो जाएँ, उस प्रकार, सेवा में उनकी यथोचितता पर पुष्टि की जाएगी और जब तक उनकी सशस्त्र बल मुख्यालय आणु-लिपिक सेवा में पुष्टि नहीं की जाती तब तक सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा में उनका पुनर्ग्रहणाधिकार भी होगा। वे आणु-टंकक, जो सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा के लिए विकल्प देते हैं, उस सेवा में निम्न श्रेणी लिपिक के रूप में माने जाएँगे।

(3) सेवा की श्रेणी 3 में नियुक्त व्यक्ति, नियम 15 के उपबन्धों के अनुसार परिबीक्षा पर होंगे।”

7. नियम 11 का प्रतिस्थापन: उक्त नियम के नियम 11 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा।

अर्थात्:—

“भाषी अनुकरण:—प्रविष्य में, सेवा का नियम 12, 13 और 13क में यथा उपदर्शित के अनुसार अनुकरण किया जाएगा।”

8. नियम 13 का प्रतिस्थापन:—उक्त नियम के नियम 13 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“13. सेवा की श्रेणी 2 में भर्ती:

(1) सेवा की श्रेणी 2 में अधिष्ठायी रिक्तियाँ, उस श्रेणी की चयन सूची में सम्मिलित व्यक्तियों की अधिष्ठायी नियुक्ति द्वारा, चयन सूची में, ज्येष्ठता के क्रम में ऐसी नियुक्तियाँ करते हुए, तब के सिवाय भरी जाएगी जब लेख बद्ध कारणों के लिए कोई व्यक्ति अपने क्रम में ऐसी नियुक्ति के लिए योग्य समझा गया हो।

(2) सेवा की श्रेणी 2 में अस्थायी रिक्तियाँ, उस श्रेणी के लिए चयन सूची में सम्मिलित व्यक्तियों की नियुक्ति द्वारा भरी जाएंगी। न भरी गई शेष रिक्तियाँ, तत्पश्चात् अनुपयुक्त व्यक्तियों को भ्रूहीत करने हुए सेवा की श्रेणी 3 के ऐसे अधिकारियों की ज्येष्ठता के आधार पर अस्थायी प्रोन्नति द्वारा भरी जाएंगी, जिन्होंने उस श्रेणी में कम-से-कम 5 वर्ष की अनुमोदित सेवा की हो। ऐसी प्रोन्नतियाँ तब समाप्त की जाएंगी जब श्रेणी 2 के लिए चयन सूची में सम्मिलित व्यक्ति रिक्तियाँ भरने के लिए उपलब्ध हो जाएँ।

परन्तु श्रेणी 3 के ऐसे अधिकारी, जो प्रारम्भिक गठन पर उस श्रेणी में नियुक्त हैं, अनुपयुक्त व्यक्तियों को भ्रूहीत करते हुए, यदि उन्होंने उस श्रेणी में कम-से-कम 3 वर्ष की अनुमोदित सेवा की हो, ज्येष्ठता के आधार पर प्रोन्नति के लिए पात्र होंगे।

परन्तु यह और कि यदि श्रेणी 3 में नियुक्त किसी व्यक्ति के बारे में, इस उप-नियम के उपबन्धों के अनुसार श्रेणी 2 में प्रोन्नति के लिए विचार किया जाता है, तो श्रेणी 3 के उससे ज्येष्ठ सभी व्यक्तियों के बारे में भी उस श्रेणी में उनकी 5 वर्ष की अनुमोदित सेवा न होने पर भी इस प्रकार विचार किया जाएगा।

(3) इस नियम के प्रयोजन के लिए एक चयन सूची बनाई जाएगी और समय-समय पर पुनरीक्षित की जाएगी। चयन सूची के बनाने तथा पुनरीक्षण की प्रक्रिया, सप्तम अनुसूची में यथा उपदर्शित होगी।

(4) उप-नियम (2) में विहित श्रेणी 2 में प्रोन्नति के लिए अनुमोदित सेवा-काल, सरकार द्वारा प्रत्येक 3 वर्ष में एक बार पुनर्विलोकित और, यदि आवश्यक हो, पुनरीक्षित किया जा सकेगा।”

9. नए नियम 13क का अन्तःस्थापन:—उक्त नियम के नियम 13 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“13क. सेवा की श्रेणी 3 में भर्ती:—(1) सेवा की श्रेणी 3 में रिक्तियाँ, उस प्रयोजन के लिए मंत्रिमंडल सचिवालय में कार्मिक विभाग के सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंध संस्थान द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीक्षाओं के आधार पर, जो सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा के सदस्यों तक सीमित होंगी, सीधी भर्ती द्वारा भरी जाएंगी:

परन्तु जहाँ तक ऐसी प्रतियोगिता परीक्षाओं के परिणामों पर अहित अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या नियुक्ति के लिए उपलब्ध न हो, रिक्तियाँ अन्तिम रूप से या नियमित आधार पर ऐसी रीति में, भरी जा सकेंगी, जैसी सरकार द्वारा अवधारित की जाएँ।

(2) सरकार, आदेश द्वारा, सेवा की श्रेणी 3 में उप-नियम (1) में निर्दिष्ट किसी परीक्षा के परिणामों पर, स्थायी रूप से या अन्तिम रूप से भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या विनिर्दिष्ट कर सकेगी।

(3) उप-नियम (2) के अधीन दिए गए किसी आदेश के अनुसरण में स्थायी रूप से भरी जाने वाली रिक्तियों से भिन्न उस श्रेणी में अधिष्ठायी रिक्तियों पर अधिष्ठायी नियुक्तियाँ, तब के सिवाय जब, लेखबद्ध कारणों के लिए अपने क्रम में ऐसी नियुक्ति के लिए कोई व्यक्ति योग्य न समझा गया हो, उस श्रेणी के अस्थायी अधिकारियों की ज्येष्ठता के क्रम में की जाएंगी।

(4) उप-नियम (1) में निर्दिष्ट प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए नियम के होंगे, जो अष्टम अनुसूची में, अन्तर्विष्ट विनियमों द्वारा अवधारित किए जाएँ।”

10. नियम 15 का संशोधन: उक्त नियम के नियम 15 में,—

(i) उप-नियम (1) में, ‘श्रेणी 2’ शब्दों के पश्चात् ‘या श्रेणी 3’ शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे;

(ii) उप-नियम (2) में “चयन श्रेणी या श्रेणी 1” शब्दों के स्थान पर, ‘चयन श्रेणी, श्रेणी 1 या श्रेणी 2’ शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

11. नियम 16 का संशोधन: (i) उक्त नियम के नियम 16 को इसके उप-नियम (1) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार यथा पुनः संख्यांकित उप-नियम (1) में ‘नियम 12 या नियम 13’ पद के स्थान पर “नियम 12, नियम 13 या नियम 13क” पद प्रतिस्थापित किया जाएगा;

(ii) उप-नियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(2) जब श्रेणी 3 में किसी परीक्षाधीन अधिकारी ने निहित परीक्षण पास कर लिए हों और अपनी परीक्षा नियुक्ति प्राधिकारी के समाधानप्रद रूप में पूरी कर ली हो, तो वह उस श्रेणी में पुष्टि का पात्र होगा।”

12. नियम 17 का संशोधन: उक्त नियम के नियम 17 में—

(i) उप-नियम (1), (2) और (3) में ‘श्रेणी 2’ शब्दों के पश्चात् जहाँ कहीं भी वे आएँ, ‘या श्रेणी 3’ शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे;

(ii) उप-नियम (4) में, ‘चयन श्रेणी या श्रेणी 1’ शब्दों के स्थान पर ‘चयन श्रेणी 1 या श्रेणी 2’ शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

13. नियम 18 का संशोधन: उक्त नियम के नियम 18 में,

(i) उप-नियम (2) में, ‘नियम 9’ शब्द और श्रृंखला के पश्चात् ‘या नियम 9क’ शब्द और श्रृंखला अन्तःस्थापित किए जाएंगे;

(ii) उप-नियम (4) के स्थान पर, निम्नलिखित उप-नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(1) (1) चयन श्रेणी, श्रेणी 1 या श्रेणी 2 के प्रारम्भिक गठन में सम्मिलित अस्थायी अधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम में विनियमित की जाएगी, जिसमें कि वे इस प्रकार नियुक्त किए गए हैं।

(2) प्रारम्भिक गठन पर श्रेणी 3 प्राशुलिपिकों के रूप में नियुक्त प्राशु-टकों की पारस्परिक ज्येष्ठता, सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी में उनकी ज्येष्ठता के संदर्भ से नियत की जाएगी;

(iii) (क) उप नियम (5) में, 'चयन श्रेणी, श्रेणी 1 और श्रेणी 2' शब्दों के स्थान पर, 'चयन श्रेणी, श्रेणी 1, श्रेणी 2 और श्रेणी 3' शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे :

(ख) "II-श्रेणी 2" शीर्ष के नीचे खण्ड (i) और (ii) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किए जाएंगे अर्थात् :

(i) "स्थायी अधिकारी-श्रेणी में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त अधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम द्वारा विनियमित की जाएगी, जिसमें कि वे श्रेणी में इस प्रकार नियुक्त किए गए हैं ;

(ii) अस्थायी अधिकारी—श्रेणी में नियुक्त अस्थायी अधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता निम्नलिखित रूप में विनियमित की जाएगी, अर्थात् :—

(क) श्रेणी के लिए चयन सूची में सम्मिलित किए गए व्यक्ति, चयन सूची में सम्मिलित न किए गए व्यक्तियों से रैंक में सामुहिक रूप से होंगे ;

(ख) चयन सूची में सम्मिलित किए गए व्यक्तियों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम में होगी, जिसमें उनके नाम चयन सूची में सम्मिलित किए गए हैं ;

(ग) चयन सूची में सम्मिलित न किए गए व्यक्तियों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम द्वारा से विनियमित की जाएगी, जिसमें कि वे उस श्रेणी में वीर्यकासिक नियुक्ति के लिए अनुमोदित किए जाएं ।” ;

(ग) 'II-श्रेणी 2'—शीर्ष और उसकी प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित शीर्ष और प्रविष्टियां अन्तः स्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

“III—श्रेणी 3”

(i) स्थायी अधिकारी—नियत दिन के पश्चात्, श्रेणी में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त अधिकारियों की पारस्परिक ज्येष्ठता उस क्रम द्वारा विनियमित की जाएगी, जिसमें कि वे श्रेणी इस प्रकार नियुक्त किए गए हैं। अधिष्ठायी रिक्तियों पर नियुक्त सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों की पारस्परिक रैंक उस गुणानुक्रम के अनुसार होगी, जिसमें कि वे उस प्रतियोगिता परीक्षा में रखे गए हों, जिसके परिणामों के आधार पर उनकी भर्ती हुई हो और पूर्वतर परीक्षा के सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों से ज्येष्ठ रैंक दी जाएगी।

(ii) अस्थायी अधिकारी—नियत दिन के पश्चात् श्रेणी में नियुक्त व्यक्तियों की पारस्परिक रैंक उस गुणानुक्रम में होगी, जिसमें कि वे उस प्रतियोगिता परीक्षा में रखे रखे गए हों, जिसके परिणामों के आधार पर उनकी भर्ती

हुई हो और पूर्वतर परीक्षा के सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की पश्चात् भर्ती परीक्षा के सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों से ज्येष्ठ रैंक दी जाएगी।

(iii) नियम 13 क के “उप-नियम (1) के परन्तु के अधीन श्रेणी में नियुक्त अधिकारियों की ज्येष्ठता ऐसी होगी, जो सरकार द्वारा समय समय पर अध्यापित की जाए ।”

14. नियम 19 का संशोधन :—उक्त नियम के नियम 19 में,—

(i) प्रारम्भ में, 'चयन श्रेणी, श्रेणी 1 और श्रेणी 2' शब्दों के स्थान पर 'चयन श्रेणी, श्रेणी 1, श्रेणी 2 और श्रेणी 3' शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(ii) उप-नियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(4) श्रेणी 3—130-5-160-8-200-500-8-256-8-280 रूप ।”

15. नियम 20 का संशोधन :—उक्त नियम के नियम 20 में, उप-नियम (1) में, “चयन श्रेणी, श्रेणी 1 और श्रेणी 2” शब्दों के स्थान पर, “चयन श्रेणी, श्रेणी 1, श्रेणी 2 और श्रेणी 3” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

16. नियम 23 का प्रतिस्थापन :—उक्त नियम के नियम 23 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :

“23. शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत शिथिल कर सकेगी :

परन्तु आयोग की सीमा के भीतर आने वाले पदों के सम्बन्ध में किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों के बारे में कोई आदेश, आयोग से परामर्श के पश्चात् के बिना, नहीं दिया जाएगा ।”

17. चतुर्थ अनुसूची का संशोधन :—उक्त नियम की चतुर्थ अनुसूची में, सारणी में, ‘श्रेणी’ और “प्राधिकृत स्थायी संख्या” शीर्षों के नीचे खण्ड (III) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(IV) श्रेणी 3 कुछ नहीं ।”

18. नई अनुसूचियों का अन्तःस्थापन :—उक्त नियम की षष्ठम अनुसूची के पश्चात् निम्नलिखित अनुसूचियां अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

(I) सप्तम् अनुसूची :—सशस्त्र बल मुख्यालय प्राशुलिपिक सेवा की श्रेणी 2 के लिए चयन सूची को बनाने और पुनरीक्षण की प्रक्रिया ;

(II) अष्टम् अनुसूची :—सशस्त्र बल मुख्यालय प्राशुलिपिक सेवा श्रेणी 3 (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1973 ;

(III) नवम् अनुसूची :—सशस्त्र बल मुख्यालय प्राशुलिपिक सेवा (श्रेणी 2 सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1973 ;

(IV) दशम् अनुसूची :—सशस्त्र बल मुख्यालय प्राशुलिपिक सेवा श्रेणी 2 (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1973।

सकल अनुसूची

[नियम 13(3) देखिए]

सकल नल मुख्यालय आधुनिक सेवा की श्रेणी 2

के लिए न्यून सूची को बनाने और पुनरीक्षण की प्रक्रिया

1. गठन : सेवा की श्रेणी 2 के ऐसे अस्थायी अधिकारियों से मिलकर जो नियत दिन के ठीक पूर्व श्रेणी में नियुक्त किए गए हों या नियत दिन के पूर्व आयोग द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों पर नियुक्त किए जाएं, ऐसी तारीख पर उस श्रेणी की न्यून-सूची बनेगी।

2. अनुसूचन : (1) पैरा 1 के अधीन, न्यून सूची के आरम्भिक गठन के पश्चात्, सरकार, उस श्रेणी में विद्यमान और प्रत्याभित रिक्तियों पर ध्यान देते हुए, न्यून सूची में निम्नलिखित प्रवर्गों के व्यक्तियों में से इतने व्यक्ति जोड़ सकेगी, जितने वह ठीक समझे, अर्थात्:—

(क) (i) महिमण्डल सचिवालय के कांसिक विभाग के सचिवालय पशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा उस प्रयोजन के लिए समय-समय पर ली गई किसी विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों पर गुणानुक्रम में न्यून किए गए व्यक्ति;

(ii) सेवा की श्रेणी 3 में के ऐसे अधिकारियों में से (अनुपयुक्त को अनुहीत करते हुए), अपनी ज्येष्ठता के क्रम में न्यून किए गए व्यक्ति, जिन्होंने:—

(क) नियम 9-क के अधीन आरम्भिक गठन पर उस श्रेणी में नियुक्त अधिकारियों के मामले में, उस श्रेणी में कम से कम 3 वर्ष की अनुमोदित सेवा की हो;

(ख) अन्य व्यक्तियों के मामले में, उस श्रेणी में कम से कम 5 वर्ष की अनुमोदित सेवा की हो।

(ख) आयोग द्वारा उस प्रयोजन के लिए समय-समय पर ली गई किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों पर गुणानुक्रम में न्यून किए गए व्यक्ति:—

परन्तु खण्ड (क) और खण्ड (ख) में विनिर्दिष्ट प्रवर्गों के भीतर आने वाले व्यक्तियों की न्यून सूची में वृद्धि 3:5 के अनुपात में होगी, अर्थात् यदि खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट प्रवर्ग के व्यक्तियों में से 3 व्यक्तियों की वृद्धि की जाए, तो खण्ड (ख) में विनिर्दिष्ट प्रवर्ग के व्यक्तियों में से 5 व्यक्तियों की वृद्धि जाएगी, और खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट प्रवर्ग के व्यक्तियों से न्यून सूची में वृद्धि की जाने वाले तीन व्यक्तियों में से, यदि उसकी मद (I) में विनिर्दिष्ट प्रवर्ग के व्यक्तियों में से एक व्यक्ति की वृद्धि की गई है, तो मद (II) में विनिर्दिष्ट प्रवर्ग के व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों की वृद्धि की जाएगी।

परन्तु यह और कि यदि खण्ड (क) की मद (I) में विनिर्दिष्ट प्रवर्ग के व्यक्ति, अपने कोटे में होने वाली रिक्तियां भरने के लिए उपलब्ध न हों, तो खण्ड (क) की मद (II) में विनिर्दिष्ट प्रवर्ग के व्यक्तियों में से, और उसके विपरीत, ऊनता पूरी की जाएगी; और यदि खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट दोनों प्रवर्गों के व्यक्ति अपने कोटों में होने वाली रिक्तियां भरने के लिए उपलब्ध न हों, तो खण्ड (ख) के प्रवर्ग के व्यक्तियों में से ऊनता पूरी की जाएगी।

(2) उप-पैरा (1) के खण्ड (क) और (ख) में निर्दिष्ट प्रतियोगिता परीक्षाएं, क्रमशः नवम् अनुसूची और दशम् अनुसूची में अन्तर्विष्ट विनियमों द्वारा विनियमित की जाएगी :

3. ज्येष्ठता : (1) पैरा 1 के अधीन गठित श्रेणी के लिए न्यून सूची में अन्तर्विष्ट अधिकारी, ऐसे गठन के पश्चात् उसमें अन्तर्विष्ट किए गए अधिकारियों से ज्येष्ठ होंगे।

परन्तु आयोग द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीक्षा के साध्यम द्वारा भर्ती किए गए व्यक्तियों की ज्येष्ठता, जिनके मामलों में नियुक्ति के प्रस्ताव रद्दकरण के पश्चात् पुनः प्रवर्तित किए गए हैं, ऐसी होगी, जिसे आयोग के परामर्श से सरकार द्वारा अवधारित किया जाए।

(2) पैरा 2 के अधीन न्यून सूची में सम्मिलित किए गए अधिकारी पारस्परिक रैंक में ऐसे क्रम में होंगे, जिनमें वे न्यून सूची में सम्मिलित किए गए हों।

4. न्यून सूची से नामों का हटाया:—(1) खण्ड (3) के अधीन रहते हुए, श्रेणी के लिए न्यून सूची में सम्मिलित किए गए अधिकारी का, उस श्रेणी में अधिष्ठायी रूप से उसकी नियुक्ति तक, ऐसी सूची में सम्मिलित किया जाना बना रहेगा।

(2) श्रेणी के लिए न्यून सूची में सम्मिलित ऐसे अधिकारियों का, जिनको उस श्रेणी में नियुक्त नहीं किया जा सकता या जो रिक्तियों के अभाव में उससे प्रतिवर्तित कर दिए गए हैं, ऐसी सूची में उनका सम्मिलित किया जाना बना रहेगा और वे न्यून सूची में उन्हें ली गई ज्येष्ठता रखेंगे।

(3) न्यून सूची से निम्नलिखित प्रवर्गों के व्यक्तियों के नाम हटाए जाएंगे, अर्थात्:—

(क) वे व्यक्ति, जो श्रेणी में अधिष्ठायी रूप से नियुक्त हैं;

(ख) वे व्यक्ति, जो अन्य किसी सेवा या पद को अधिष्ठायी रूप से स्थानान्तरित किए गए हैं;

(ग) वे व्यक्ति, जिनकी मृत्यु हो जाती है या सेवा निवृत्त हो जाते हैं या जिनकी सेवाएं अन्यथा समाप्त की जाती हैं; और

(घ) (i) नियम 15 में विनिर्दिष्ट परीक्षा की अवधि के पुरे श्रेणी 2 में स्थानापन्न ऐसे व्यक्ति, जो केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के अधीन विभागीय जांच या कार्यवाही के परिणामस्वरूप उससे प्रतिवर्तित किए गए हैं, या

(ii) श्रेणी 2 के ऐसे व्यक्ति, जो नियम 15 में विनिर्दिष्ट परीक्षा की अवधि के दौरान या उसके अन्त पर नियम 17 के, यथास्थिति, उप-नियम (3) या (4) के अधीन उस श्रेणी में बने रहने के लिए अयोग्यता के कारण उससे प्रतिवर्तित किए गए हैं; या

(iii) श्रेणी 2 में परीक्षा पर अब तक प्रोन्नत या नियुक्त न किए गए ऐसे व्यक्ति, जो न्यून सूची से बाहिक पुनर्विलोकन पर, सूची में सम्मिलित किए जाने से अपने रिकार्ड या आचरण या, दोनों में ल्हास होने के कारण अपेक्षित स्तर से नीचे पाए गए हैं:

परन्तु उपर्युक्त प्रवर्ग (III) से ऐसे व्यक्तियों का नाम, जिसको पैरा 2 में निर्दिष्ट प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों पर न्यून सूची में सम्मिलित किया गया है, आयोग के परामर्श के हटाया जाएगा।

कण्टम् अनुसूची

[नियम 13-क (4) देखिए]

सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा श्रेणी 3 (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम 1973

सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970 के नियम 21 के साथ पठित नियम 13-क के उप-नियम (4) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, निम्नलिखित विनियम एतद्वारा बनाती है, अर्थात्:—

1. **लक्षित नाम और प्रारम्भ :** (1) इन विनियमों का नाम सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा श्रेणी 3 (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1973 है।

(2) वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. **परिभाषा:—**(1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:—

(क) “निर्णायक तारीख” से ऐसे वर्ष की, जिसमें परीक्षा ली गई है, जनवरी का प्रथम दिन अभिप्रेत है ;

(ख) “समतुल्य श्रेणी” से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अधीन कोई ऐसी श्रेणी अभिप्रेत है जिसका न्यूनतम और अधिकतम वेतनमान पहली जुलाई, 1959 के पूर्व, क्रमशः 85 रु० और 130 रुपये से कम नहीं था और पहली जुलाई, 1959 को या तदुपश्चात् क्रमशः 110 रुपये और 180 रुपये से कम नहीं है ;

(ग) “परीक्षा” से सेवा की श्रेणी 3 में नियुक्ति के लिए सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीक्षा अभिप्रेत है ;

(घ) “सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान” से मंत्रिमण्डल सचिवालय में कार्मिक विभाग का सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान अभिप्रेत है ;

(ङ) “निम्न श्रेणी और उच्च श्रेणी में नियमित रूप से नियुक्त अधिकारी” से विहित प्रक्रिया के अनुसार, सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी में दीर्घकालिक आधार पर नियुक्ति अधिकारी अभिप्रेत है ;

(च) “नियम” से सशस्त्र बल सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970 अभिप्रेत है।

(छ) “अनुसूचित जातियों” और “अनुसूचित जनजातियों” के वे ही अर्थ होंगे, जो उन्हें भारत के संविधान के अनुच्छेद 366 के क्रमशः खण्ड (24) और (25) में दिए गए हैं।

(2) इन विनियमों में प्रयुक्त और इसमें परिभाषित न किए गए किन्तु नियम में परिभाषित किए गए सभी अन्य शब्दों और पदों के वे ही अर्थ होंगे, जो इन नियमों में उन्हें क्रमशः दिए गए हैं।

3. **परीक्षा सैन्य :** (1) केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित रीति से सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा, परीक्षा संचालित की जाएगी।

(2) वे तारीखें, जिनको, और वे स्थान, जहाँ परीक्षा ली जाएगी, सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा नियत किए जाएंगे।

4. **पात्रता की शर्तें :** (1) पात्रता—सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक मुख्यालय सेवा की निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी में नियमित रूप से नियुक्त कोई ऐसा स्थायी या अस्थायी अधिकारी, जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता है परीक्षा में प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पात्र होगा, अर्थात्:—

(क) **सेवाकाल :** सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी में या किसी समतुल्य श्रेणी में निर्णायक तारीख को उसने 3 वर्ष से अन्यून अनुमोदित और लगातार सेवा की हो।

टिप्पण : 1.— अनुमोदित और लगातार सेवा की 3 वर्ष की सीमा उस वृत्त में भी लागू होगी, यदि अभ्यर्थी की कुल संगणनीय सेवा, सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की श्रृंखला निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी में और श्रृंखला किसी समतुल्य श्रेणी में हो।

टिप्पण : 2. सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी के ऐसे अधिकारी, जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से काडर-बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हैं, यदि अन्यथा पात्र हों, तो परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के पात्र होंगे। यह ऐसे अधिकारी को भी लागू होता है, जो किसी काडर-बाह्य पद पर या अन्य सेवा पर स्थानान्तरण द्वारा नियुक्त किया गया है, यदि तत्समय सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी में उसका पुनःप्रवर्णन अधिकार बना रहा हो।

(ख) **आयु :** निर्णायक तारीख को उसकी आयु 45 वर्ष से अधिक न हो।

परन्तु अधिकतम आयु-सीमा, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और ऐसे अन्य वर्गों के अभ्यर्थियों की कसूरत, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, समय-समय पर इस निमित्त अधिसूचित किए जाएं उस विस्तार तक और प्रत्येक प्रयोग के बारे में अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, लिखित की जा सकेगी।

(2) **फीस :** उसे सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा विहित फीस का भुगतान करना होगा।

(3) **आपात के कारण सैनिक सेवा में नौकरी शुरू करने वाले सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की उच्च श्रेणी या निम्न श्रेणी के अधिकारियों की पात्रता के बारे में विशेष उपबन्ध:—** सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा की निम्न श्रेणी या उच्च श्रेणी के ऐसे अधिकारियों को, जो आपात के दौरान सैनिक सेवा में नौकरी शुरू करने या बुलाए जाने के कारण परीक्षा में नहीं बैठ सके, केन्द्रीय सरकार द्वारा, इस निमित्त समय-समय पर विनिश्चित रीति में, संरक्षण दिया जाएगा।

5. **अभ्यर्थिता के लिए निरर्हता :** अपनी अभ्यर्थिता का समर्थन करने के लिए किसी अभ्यर्थी की ओर से किसी माध्यम द्वारा किया गया कोई भी प्रयत्न सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा ऐसे आधारों के रूप में माना जाएगा, जो उसे परीक्षा में सम्मिलित करने के लिए निरर्हित करना हो।

6. **अभ्यर्थी की पात्रता के बारे में विनिश्चय :** परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के लिए किसी अभ्यर्थी की पात्रता या अन्यथा के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान का विनिश्चय अन्तिम होगा।

और कोई भी ऐसा अभ्यर्थी, जिसे उक्त संस्थान द्वारा स्वीकृति का प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है, परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

7. परिणाम : (1) ऐसे अभ्यर्थियों के नाम, जो परीक्षा के परिणामों पर नियुक्ति के लिए सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा उपयुक्त समझे गए हैं, गुणानुक्रम में क्रमांकित किए जाएंगे और विनियम 8 के उप-विनियम (3) के उपबन्ध के अधीन रहते हुए, उसी क्रम में विनिश्चित की गई नियुक्ति की संख्या तक नियुक्ति के लिए उनकी सिफारिश की जाएगी।

(2) प्रत्येक अभ्यर्थी को परीक्षा के परिणामों की संसूचन का प्रारूप और रीति, सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा विनिश्चित की जाएगी, जो परिणामों के बारे में प्रत्येक अभ्यर्थी के साथ कोई पत्राचार नहीं करेगा।

8. नियुक्ति : (1) परीक्षा में उत्तीर्ण होना नियुक्ति के लिए कोई अधिकार तब तक प्रदान नहीं करेगा जब तक, केन्द्रीय सरकार का, ऐसी जांच के पश्चात् जो आवश्यक समझी जाए, समाधान न हो जाए कि अभ्यर्थी सभी मामलों में उपयुक्त है।

(2) उप-विनियम (3) में यथा उपबन्धित के सिवाय, किसी परीक्षा के परिणामों पर नियुक्तियों, उपलब्ध रिक्तियों तक, केन्द्रीय सरकार द्वारा, इस निमित्त समय-समय पर जारी किये गए आदेशों के अनुसार, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षणों के अधीन रहते हुए, सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा नियुक्ति के लिए सिफारिश किए गए अभ्यर्थियों के गुणानुक्रम में की जाएगी।

(3) अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों में से किसी के अभ्यर्थियों की, जहां तक अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या माधारण मानक के आधार पर नहीं भरी जाती, उस विस्तार तक शिथिल मानक द्वारा, आरक्षित कोटे में ऊनता को पूरी करने के लिए, सेवा में नियुक्ति के लिए इन अभ्यर्थियों की योग्यता के अधीन रहते हुए, परीक्षा में गुणानुक्रम में उनके रैंकों पर ध्यान दिए बिना, सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा सिफारिश की जा सकेगी।

परन्तु यदि समय-समय पर इस निमित्त जारी किए गए सरकारी आदेशों के अनुसार उनके लिये आरक्षित सभी रिक्तियां भरने के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध न हो, तो न भरी गई रिक्तियां, सरकार द्वारा विहित रीति से भरी जाएंगी।

9. प्रतिरूपण या अन्य व्यवहार के लिए शास्ति : कोई अभ्यर्थी, जो प्रतिरूपण का या गद्दी हुई दस्तावेज या ऐसी दस्तावेजों को, जो बिगाड़ दी गई हैं, पेश करने का या ऐसे कथन करने का जो गलत या मिथ्या हैं या सारवान जानकारी को दबाने का या परीक्षा में प्रवेश प्राप्त करने के लिए अन्यथा किन्हीं अनियमित या अनुचित उपायों के अवलम्ब का या परीक्षा में नावाजिब साधनों का उपयोग करने या उपयोग करने के लिए प्रयत्न करने का या परीक्षा भवन में व्यवहार का दोषी है या सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा बोधी घोषित किया गया है, दण्डक अभियोजन का स्वयं वायी होने के साथ साथ उसे,—

(क) सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा स्थायी रूप से या किसी विनिश्चित अवधि के लिए किसी परीक्षा में सम्मिलित करने या उक्त संस्थान द्वारा अभ्यर्थियों के चयन के लिए किए गए किसी साक्षात्कार में उपस्थित होने से विवर्जित किया जा सकेगा; और

(ख) समुचित नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई का शह वायी हो सकेगा।

नवम् अनुसूची

[सप्तम अनुसूची का पैरा 2(2) देखिए]

सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (श्रेणी 2, सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1973

सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970 के नियम 21 के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, निम्नलिखित विनियम एतद्वारा बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन विनियमों का नाम सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (श्रेणी 2, सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1973 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबुल होंगे।

2. परिभाषाएँ : (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो —

(क) “निर्णायक तारीख” से ऐसे वर्ष के अगस्त का प्रथम दिन अभिप्रेत है, जिसमें परीक्षा ली गई है ;

(ख) “परीक्षा” से सेवा की श्रेणी 2 के लिए चयन सूची में वृद्धि करने के लिए सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा ली गई सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा अभिप्रेत है ;

(ग) “सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान” से मंत्रिमण्डल सचिवालय में कार्मिक विभाग का सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान अभिप्रेत है ;

(घ) “नियमित रूप से नियुक्त श्रेणी 3 का अधिकारी” से उस श्रेणी के आरम्भिक गठन में विनिश्चित प्रक्रिया के अनुसार सम्मिलित या तदपश्चात्, श्रेणी 3 में दीर्घकालिक आधार पर नियुक्त कोई व्यक्ति अभिप्रेत है ;

(ङ) “नियम” से सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियुक्त 1970 अभिप्रेत है ;

(च) “अनुसूचित जातियों” और “अनुसूचित जनजातियों” के वे ही अर्थ होंगे, जो उन्हें भारत के संविधान के अनुच्छेद 366 के क्रमशः खण्ड (24) और (25) में दिए गए हैं।

(छ) “चयन” से सेवा की श्रेणी 2 के लिए चयन-सूची में सम्मिलित किया जाना अभिप्रेत है।

(2) इन विनियमों में प्रयुक्त और इसमें परिभाषित न किए गए किन्तु नियमों में परिभाषित किए गए सभी अन्य शब्दों और पदों के वे ही अर्थ होंगे जो इन नियमों में उन्हें क्रमशः दिए गए हैं।

3. परीक्षा सेना : (1) केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित रीति से सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा परीक्षा संचालित की जाएगी।

(2) वे तारीखें, जिनको और वे स्थान जहां परीक्षा ली जाएगी, सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा नियत किए जाएंगे।

4. पात्रता की शर्तें: (1)—सेवा की श्रेणी 3 में नियमित रूप से नियुक्त कोई ऐसा स्थायी या अस्थायी अधिकारी, जो निम्नलिखित शर्तों को पूरा करता है, परीक्षा में प्रतियोगिता के लिए पात्र होगा, अर्थात्:—

(क) सेवा-काल: 1 अगस्त, 1972 से या उसके पश्चात् सेवा की श्रेणी 3 में, निर्णायक तारीख को उसने 3 वर्ष से अन्यून अनुभूति और लगातार सेवा की हो।

टिप्पण—श्रेणी 3 के ऐसे अधिकारी, जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से कार्बन-बाह्य पदों पर प्रतिनियुक्ति पर हैं और जिनका सेवा की श्रेणी 3 में पुनर्ग्रहणाधिकार है, यदि वे अन्यथा पात्र हों, तो परीक्षा में सम्मिलित किए जाएंगे।

(ख) आयु—निर्णायक तारीख को उसकी आयु 45 वर्ष से अधिक न हो।

परन्तु अधिकतम आयु-सीमा, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों और ऐसे अन्य वर्गों के अभ्यर्थियों की बाबत, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, समय-समय इस निमित्त अधिसूचित किए जाएं, उस विस्तार तक और प्रत्येक वर्ग के बारे में अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, शिथिल की जा सकेगी।

(2) फीस: उसे सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा विहित फीस का संघार करना होगा।

(3) आपात के कारण सैनिक सेवा में नौकरी शुरू करने वाले श्रेणी 3 के अधिकारियों को पात्रता के बारे में विशेष उपबन्ध: श्रेणी 3 के ऐसे अधिकारियों को जो आपात के दौरान सैनिक सेवा में नौकरी शुरू करने या बुलाए जाने के कारण परीक्षा में नहीं बैठ सके, केन्द्रीय सरकार द्वारा, इस निमित्त समय-समय पर विहित रीति में संरक्षण दिया जाएगा।

5. अभ्यर्षिता के लिए निरर्हता: अपनी अभ्यर्षिता का समर्थन करने के लिए किसी अभ्यर्षी की ओर से किसी माध्यम द्वारा किया गया कोई भी प्रयत्न सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा ऐसे आचरण के रूप में माना जाएगा जो उसे परीक्षा में सम्मिलित करने के लिए निरर्हित करता हो।

6. अभ्यर्षी की पात्रता के बारे में विनिश्चय: परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के लिए किसी अभ्यर्षी की पात्रता या अन्यथा के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान का विनिश्चय अन्तिम होगा और कोई भी ऐसा अभ्यर्षी, जिसे उक्त सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा स्वीकृति का प्रमाणपत्र जारी नहीं किया गया है, परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

7. परिणाम: (1)—ऐसे अभ्यर्थियों के नाम, जो परीक्षा के परिणामों पर नियुक्ति के लिए सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा उपयुक्त समझे गए हैं, गुणानुक्रम में क्रमांकित किए जाएंगे और विनियम 8 के उपविनियम (3) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए उसी क्रम में विनिश्चित की गई नियुक्ति की संख्या तक नियुक्ति के लिए उनकी सिफारिश की जाएगी।

(2) प्रत्येक अभ्यर्षी को परीक्षा के परिणामों की संसूचना का प्रारूप और रीति सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा स्वचिन्नेक-

मुसार विनिश्चित की जाएगी, जो परिणामों के बारे में प्रत्येक अभ्यर्षी के साथ कोई पत्राचार नहीं करेगा।

8. नियुक्ति (1) परीक्षा में उत्तीर्ण होना नियुक्ति के लिए कोई अधिकार तब तक प्रदान नहीं करेगा जब तक केन्द्रीय सरकार का ऐसी जोश के पश्चात्, जो आवश्यक समझी जाए, समाधान न हो कि अभ्यर्षी सभी मामले में उपयुक्त है।

(2) उप-विनियम (3) में यथा उपबन्धित के सिवाय, किसी परीक्षा के परिणामों पर चयन, उपलब्ध रिक्तियों तक, केन्द्रीय सरकार द्वारा, इस निमित्त समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण के अधीन रहते हुए, सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा यथा सिफारिश किए गए अभ्यर्थियों के गुणानुक्रम में किया जाएगा।

(3) अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों में से किसी के अभ्यर्थियों की, जहां तक अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या साधारण मानक के आधार पर नहीं भरी जा सकती, उस विस्तार तक शिथिल मानक द्वारा आरक्षित कोटे में ऊनता को पूरा करने के लिए, सेवा में नियुक्ति के लिए इन अभ्यर्थियों की योग्यता के अधीन रहते हुए, परीक्षा में गुणानुक्रम में उनके रैंकों पर ध्यान दिए बिना सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा सिफारिश की जा सकेगी।

परन्तु यदि समय-समय पर इस निमित्त जारी किए गए सरकारी आदेशों के अनुसार उनके लिए आरक्षित सभी रिक्तियां भरने के लिए अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध न हो, तो न भरी गई रिक्तियां, सरकार द्वारा विहित रीति से भरी जाएंगी।

9. प्रतिरूपण या अन्य अवधार के लिए शक्ति: कोई अभ्यर्षी, जो प्रतिरूपण का या गंभीर दुर्घटनाओं या ऐसी दस्तावेजों की, जो बिगाड़ की गई हैं, पेश करने का या ऐसे कथन करने का, जो गलत या मिथ्या हैं या सार-ज्ञान जानकारी को दबाने का या परीक्षा भवन में प्रवेश प्राप्त करने के लिए किन्हीं अनियमित या अनुचित उपायों के अवलम्ब का या परीक्षा में नावाजिब साधन का उपयोग करने या उपयोग करने के लिए प्रयत्न करने का या परीक्षा भवन में अवधार का दोषी है या सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा दोषी घोषित किया गया है, वाण्डक अभियोजन का स्वयं दायी होने के साथ-साथ उसे,—

(क) केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थायी रूप से या किसी विनिश्चित अवधि के लिए किसी परीक्षा में सम्मिलित करने या केन्द्रीय सरकार या सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबन्ध संस्थान द्वारा अभ्यर्थियों के चयन के लिए किसी साक्षात्कार में उपस्थित होने से विवर्जित किया जा सकेगा, और

(ख) समुचित नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाई का वह दायी हो सकेगा।

बशर्त अनुसूची

[संयुक्त अनुसूची का पैरा 2 (2) देखिए]

सहायक बल मुख्यालय आशुसिपिक सेवा श्रेणी 2 (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1973।

संयुक्त बल मुख्यालय आशुसिपिक सेवा नियम, 1970 के नियम 21 के उपबन्धों के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, सब लोक सेवा आयोग के परामर्श से निम्नलिखित विनियम एनद्वारा बनाती है, अर्थात्:—

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :** (1) इन विनियमों का नाम सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा श्रेणी 2 (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1973 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. **परिभाषाएं :** (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) “उपलब्ध रिक्तियों” से सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 2 की चयन सूची में ऐसी वृद्धि जो किसी परीक्षा के परिणामों पर की जाने के लिए विनिश्चित की गई है, अभिप्रेत है।

(ख) “परीक्षा” से सेवा की श्रेणी 2 की चयन सूची में वृद्धि करने और ऐसी सेवा, विभागों या कार्यालयों में, जो सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किए जाएं, आशुलिपिकों के पदों पर भर्ती के लिए आयोग द्वारा ली गई प्रतियोगिता परीक्षा अभिप्रेत है;

(ग) “नियम” से सशस्त्र बल सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा नियम, 1970 अभिप्रेत है;

(घ) “चयन” से सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी 2 के लिए चयन सूची में सम्मिलित किया जाना अभिप्रेत है;

(ङ) “अनुसूचित जातियों और” अनुसूचित जन-जातियों, के वे ही अर्थ होंगे, जो उन्हें भारत के संविधान के अनुच्छेद 366 के क्रमशः खण्ड (24) और (25) में दिए गए हैं।

(2) इन विनियमों में प्रयुक्त और इसमें परिभाषित न किए गए किन्तु नियमों में परिभाषित किए गए सभी अन्य शब्दों और पदों के वे ही अर्थ होंगे, जो इन नियमों में उन्हें क्रमशः दिए गए हैं।

3. **परीक्षा सेवा :** (1) सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित रीति से परीक्षा आयोग द्वारा संचालित की जाएगी।

(2) वे तारीखें, जिनको और वे स्थान जहां परीक्षा ली जाएगी, आयोग द्वारा नियत किए जाएंगे।

4. **पात्रता की शर्तें :** परीक्षा में प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु पात्र होने के लिए अभ्यर्थी को निम्नलिखित शर्तों को पूरा करना चाहिए, अर्थात्—

(1) **राष्ट्रीयता :**

(क) वह भारत का नागरिक हो, या

(ख) वह व्यक्तियों के ऐसे प्रवर्गों का हो जो सरकार द्वारा इस निमित्त समय समय पर अधिसूचित किए जाएं।

(2) **आयु :** जिस वर्ष में परीक्षा ली जाती है उस वर्ष की जनवरी के प्रथम दिन को उसने अठारह वर्ष की आयु पूरी कर ली हो किन्तु पच्चीस वर्ष की आयु पूरी न की हो :

परन्तु अधिकतम आयु-सीमा अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों और ऐसे व्यक्तियों के अन्य प्रवर्गों के अभ्यर्थियों की बाबत, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, समय समय इस निमित्त अधिसूचित किए जाएं, उस विस्तार तक और प्रत्येक प्रवर्ग के बारे में अधिसूचित शर्तों के अधीन रहते हुए, शिथिल की जा सकेगी।

62 G.I./72—2

(3) **शैक्षिक अर्हता :** उसने केन्द्र या राज्य के विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा भारत में निगमित किसी विश्वविद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा या स्कूल लिविंग माध्यमिक विद्यालय या उच्च विद्यालय प्रमाण-पत्र के प्रदान करने के लिए माध्यमिक विद्यालय पाठ्यक्रम के अन्त पर किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई परीक्षा उत्तीर्ण की हो या अन्यथा उसके पास कोई ऐसी अर्हता हो जो, सरकार द्वारा, उस परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के प्रयोजनार्थ मान्यता प्राप्त है :

परन्तु आपवाचिक मामलों में, ऐसा कोई अभ्यर्थी, जिसके पास इस खण्ड में विनिर्दिष्ट अर्हताओं में से कोई भी अर्हता नहीं है, आयोग द्वारा शैक्षिक रूप से अर्हित समझा जाएगा, यदि उसके पास ऐसी अर्हताएं हो, जिनका स्तरमान, आयोग की राय में उसे परीक्षा में सम्मिलित करने के लिए उचित ठहराया हो :

परन्तु यह और कि ऐसा अभ्यर्थी, जो ऐसी परीक्षा में बैठा है जिसमें उत्तीर्ण होना उसे इस परीक्षा में बैठने के लिए पात्र बनाएगा, किन्तु उसके परिणाम के बारे में उसे सूचित नहीं किया गया है, परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के लिए आवेदन कर सकेगा। ऐसा अभ्यर्थी भी, जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने की बांछा करता हो, आवेदन कर सकेगा, परन्तु यह तब जब कि अर्हक परीक्षा उस परीक्षा पहले पूरी हो गई हो। ऐसा अभ्यर्थी, यदि अन्यथा पात्र हो, परीक्षा में सम्मिलित किया जाएगा किन्तु स्वीकृति उस वृत्ति में अनन्तिम समझी जाएगी और रद्दकरण के अधीन होगी यदि वे उस परीक्षा में उत्तीर्ण होने का सबूत यथाशक्य शीघ्र, और किसी भी वृत्ति में इस परीक्षा के प्रारम्भ के पश्चात् दो मास के पूर्व पेश नहीं करते हैं।

(4) **परीक्षा में बैठने के प्रयत्न :** जब तक ऐसे अपवादों में से किसी में अन्तर्विष्ट न हो, जो इस निमित्त सरकार द्वारा समय समय पर अधिसूचित किए जाएं, उसने पहली जनवरी, 1962 के पश्चात् ली गई परीक्षा में एक से अधिक बार प्रतियोगिता में पहले ही भाग नहीं लिया हो।

टिप्पण 1. यदि किसी अभ्यर्थी ने एक या अधिक सेवाओं या पदों में से किसी के लिए प्रतियोगिता में भाग लिया है, तो यह समझा जाएगा कि उसने परीक्षा में मामूली तौर पर अन्तर्विष्ट सभी सेवाओं या पदों के लिए एक बार परीक्षा के लिए प्रतियोगिता में भाग लिया है।

टिप्पण 2. यदि कोई अभ्यर्थी वास्तविक रूप से किसी एक या अधिक विषयों या प्रश्नपत्रों में बैठता है, तो यह समझा जाएगा कि उसने परीक्षा के लिए प्रतियोगिता में भाग लिया है।

(5) **फीस :** उसे आयोग द्वारा विहित फीस का संदाय करना होगा।

5. **अभ्यर्थिता के लिए प्रचार :** अभ्यर्थी को और से अपनी अभ्यर्थिता के लिए किसी भी साधन द्वारा समर्थन अभिप्राप्त करने का कोई भी प्रयत्न आयोग द्वारा उसे परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए निरहित करने वाला माना जाएगा।

6. **पात्रता के बारे में विनिश्चय :** किसी अभ्यर्थी की पात्रता या अन्यथा के बारे में, परीक्षा में स्वीकृति के लिए, आयोग का विनिश्चय अन्तिम होगा और कोई भी अभ्यर्थी जिसे स्वीकृति का प्रमाण-पत्र आयोग द्वारा जारी नहीं किया गया है, परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

7. परिणाम: (1) ऐसे अभ्यर्थियों के नाम, जो परीक्षा के परिणामों पर चयन के लिए आयोग द्वारा उपयुक्त समझे गए हैं, गुणानुक्रम में क्रमांकित किए जाएंगे और विनियम 8 के उप-विनियम (5) के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, उस क्रम में, उपलब्ध रिक्तियों की संख्या तक चयन के लिए उनकी सिफारिश की जाएगी।

(2) प्रत्येक अभ्यर्थी को परीक्षा के परिणामों की संसूचना का प्रत्यक्ष और रीति आयोग द्वारा स्वविवेकानुसार विनिश्चित की जाएगी और आयोग परिणामों के बारे में प्रत्येक अभ्यर्थी के साथ कोई पत्राचार नहीं करेगा।

8. नियुक्ति: (1) परीक्षा में उत्तीर्ण होना चयन के लिए कोई अधिकार तब तक प्रदान नहीं करेगा जब तक ऐसी जांच के पश्चात् जो आवश्यक समझा जाय, सरकार का यह समाधान न हो जाए कि अभ्यर्थी सभी मामलों में चयन के लिए उपयुक्त है।

(2) किसी भी अभ्यर्थी का तब तक चयन नहीं किया जायगा, जब तक ऐसी चिकित्सा परीक्षा के पश्चात् जो सरकार विहित करे, वह किसी ऐसी मानसिक या शारीरिक क्षति से मुक्त नहीं पाया गया है जो संभाव्यतः सेवा के कर्तव्यों के निर्वहन में हस्तक्षेप करने वाली हो।

(3) वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि सरकार का यह समाधान हो जाय कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस विनियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

(4) इस विनियम के उप-विनियम (5) में यथा उपबन्धित के सिवाय, परीक्षा के परिणामों पर चयन, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित-जन-जातियों के अभ्यर्थियों के लिए सरकार द्वारा, इस निमित्त समय समय पर जारी किए आदेशों के अनुसार आरक्षणों के अधीन रहते हुए, उपलब्ध रिक्तियों तक चयन के लिए आयोग द्वारा सिफारिश किए गए अभ्यर्थियों के गुणानुक्रम में, किया जाएगा।

(5) अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों में से किसी के अभ्यर्थियों की, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, जहां तक वह साधारण मानक के आधार पर नहीं भरी जाती, आरक्षित कोटे में ऊनता को पूरी करने के लिए, ऐसे अभ्यर्थियों की, चयन के लिए उपयुक्तता के अधीन रहते हुए, परीक्षा के गुणानुक्रम में, उनके रैंकों पर ध्यान दिए बिना, शिथिल मानक द्वारा आयोग द्वारा सिफारिश की जा सकेगी।

परन्तु यदि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों के अभ्यर्थियों की पर्याप्त संख्या, उनके लिए आरक्षित सभी रिक्तियां, सरकार द्वारा समय-समय पर इस निमित्त जारी किए गए आदेशों के अनुसार, भरी जाने वाली के लिए उपलब्ध न हो, तो न भरी गई रिक्तियां सरकार द्वारा विहित रीति से भरी जाएंगी।

9. प्रतिरूपण या अन्य अपचार के लिए शास्ति: कोई अभ्यर्थी, जो प्रतिरूपण का या गद्दी हुई दस्तावेज या ऐसी दस्तावेजों का, जो बिगाड़ की गई हैं, पेश करने का या ऐसे कथन करने का जो गलत या मिथ्या है, या

सारवान, जानकारी को दबाने का या परीक्षा में प्रवेश प्राप्त करने के लिए अन्यथा किन्हीं अनियमित या अनुचित उपायों के प्रयत्न का या परीक्षा में नावाजिब साधन का उपयोग करने या उपयोग करने के लिए प्रयत्न करने का या परीक्षा भवन में अवचार का दोषी है या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया है, दण्डित अभियोजन का स्वयं दायी होने के साथ साथ उसे—

(क) स्थायी रूप से या किसी विनिश्चित अवधि के लिए—

(i) आयोग द्वारा किसी परीक्षा में सम्मिलित करने से या आयोग द्वारा अभ्यर्थियों के चयन के लिए किए गए किसी साक्षात्कार में उपस्थित होने से; और

(ii) सरकार द्वारा उसके अधीन नियोजन से, विवर्जित किया जा सकेगा ;

(ख) यदि वह पहले से ही सरकार के अधीन सेवा में हो तो, समुचित नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई का दायी होगा।

10. निरसम और व्यावृत्ति: भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० नि० आ० 333, तारीख 24 अगस्त, 1971 के साथ प्रकाशित मशमूर बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा नियुक्ति) विनियम, 1971 एतद्द्वारा निरसित किया जाता है :

परन्तु इस प्रकार निरसित विनियमों के अधीन दिया गया कोई आदेश या की गई कोई कार्रवाई, इन विनियमों के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन दिया गया या की गई समझी जाएगी।

फाइल सं० 97313/जी० 3 सी ए ओ/डी पी सी

पी० एन० मेनन, सहायक-मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

स्पष्टीकारक ज्ञापन

सशस्त्र बल मुख्यालय सेवा आशुलिपिक सेवा (द्वितीय संस्करण) नियम,

1973

सरकार द्वारा यह विनिश्चित किया गया है, देखिये रक्षा मंत्रालय कार्यालय ज्ञापन सं० 97313 एस टी/सी ए ओ (जी पी सी) तारीख 10-8-72, कि सशस्त्र बल मुख्यालयों और अन्तर सेवा संगठनों में आशु-टंककों के विद्यमान पदों की श्रेणी 3 के आशुलिपिकों के पदों में, 1-8-72 से, 130-5-160-8-200-व०रो०-8-256-द०रो० 8-280 रुपये के वेतनमान में परिवर्तित और सशस्त्र बल मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में सम्मिलित किया जाना चाहिये। अतः उपर्युक्त संशोधनों को 1-8-72 से भूतलसी प्रभाव देना आवश्यक हो गया है।

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त संशोधनों को भूतलसी प्रभाव देने से किसी के भी हितों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

New Delhi, the 9th March, 1973

S.R.O. 74.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. SRO 10 dated the 22nd December 1970, namely :—

1. **Short title and commencement :** (1) These Rules may be called the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service (Second Amendment) Rules, 1973.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of August, 1972.

2. **Amendment of rule 2 :** In the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 2—

(i) for clause (b), the following clause shall be substituted, namely :—

“(b) ‘appointed day’ means the 1st day of August, 1969 in respect of Selection Grade, Grade I and Grade II of the Service and the 1st day of August, 1972 in respect of Grade III of the Services”;

(ii) for clause (f), the following clause shall be substituted, namely :—

“(f) ‘direct recruit’ means a person recruited to Grade II on the basis of a competitive examination held by the Commission, or to Grade III by the Institute of Secretariat Training and Management of the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat in accordance with the procedure laid down in rule 13A”;

(iii) after clause (k), the following clause shall be inserted, namely :—

“(kk) ‘probationer’ means a direct recruit appointed to Grade III on probation in or against a substantive vacancy”;

(iv) for clause (m), the following clause shall be substituted, namely :—

“(m) ‘Select List’ in relation to the Selection Grade, Grade I or Grade II means the Select List prepared in accordance with the regulations made under rule 21 or, as the case may be, under the procedure contained in the Seventh Schedule”;

(v) for clause (n), the following clause shall be substituted, namely :—

“(n) ‘Service’ means the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service comprising posts in Selection Grade, Grade I, Grade II and Grade III in any of the Headquarters and Inter Service Organisations of the Ministry of Defence, as specified in the First Schedule.”

3. **Substitution of rule 3 :** For rule 3 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“3. **Composition of the Service.** (1) There shall be four Grades in the Service classified as follows :—

Grade	Classification
(i) Selection Grade	Central Civil Service— Class II—Ministerial.
(ii) Grade I	
(iii) Grade II	
(iv) Grade III	Central Civil Service—Class III—Ministerial.

(2) The posts specified in the second Schedule shall constitute the Selection Grade of the Service and those specified in the Third Schedule shall constitute Grade I of the Service. All posts of Personnel Assistants shall, unless provision to the contrary is made for any specified posts, from Grade II of the Service. All posts of Stenographers shall, unless provision to the contrary is made for any specified posts, from Grade III of the Service. All the existing posts of Steno-typists in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations, as specified in the First Schedule, shall be deemed to have been converted into duty posts of Grade III of the Service from the date of coming into force of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service (Second Amendment) Rules, 1973.

(3) The posts in the Selection Grade and Grade I shall be gazetted and selection posts and those in Grade II and III shall be non-gazetted and non-selection posts.”

4. **Amendment of rule 4 :** In rule 4 of the said rules, for the words ‘three Grades’ wherever they occur, the words ‘four Grades’ shall be substituted.

5. **Amendment of rule 9 :** In rule 9 of the said rules, for the marginal heading “Initial Constitution,” the marginal heading “Initial Constitution of Selection Grade, Grade I and Grade II” shall be substituted.

6. **Insertion of new rule 9A :** After rule 9 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

“9A. **Initial Constitution of Grade III :** (1) Appointments against all permanent and temporary duty posts at the initial constitution of Grade III of the Service shall be made from amongst departmental candidates. The following shall be considered as departmental candidates for this purpose, namely :—

(a) persons who, immediately before the 1st August, 1972, have been regularly appointed to the Lower Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service and who are holding posts of Steno-typists and drawing a special pay for the same in any of the Offices of Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations specified in the First Schedule;

(b) persons belonging to the Lower Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service who may be on deputation in public interest to posts of Stenographers, Personal Assistant or other similar posts in whose case it is certified that but for deputation they would have continued to hold the posts of Steno-typists upto the 1st August, 1972, in the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations specified in the First Schedule;

(2) Posts in Grade III of the Service shall be filled by appointment of departmental candidates holding posts of Steno-typists and referred to in clauses (a) and (b) of sub-rule (1) :

Provided that they had also passed the stenography test held by the Office of the Chief Administrative Officer, Ministry of Defence :

Provided further that persons referred to in sub-rule (1) shall be given an option to join the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service or to continue in the Armed Forces Headquarters Clerical Service. The option once exercised will be treated as final. Such of them as opt to join the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service shall be deemed to have served their connection with the Armed Forces Headquarters Clerical Service and cease to be eligible for any promotions in that Service. Those who are a permanent in Lower Division Grade shall be allowed to retain a lien on such posts in the Armed Forces Headquarters Clerical service till they confirmed in the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service. Those who may be eligible for confirmation in Lower Division Grade from a date prior to the 1st August 1972, shall be so confirmed, subject to being found suitable and their lien also retained in the Armed Forces Headquarters Clerical Service until they are confirmed in the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service. Those Steno-typists who opt for the Armed Forces Headquarters Clerical Service, shall be adjusted as Lower Division Clerks in that Service.

(3) Persons appointed to Grade III of the Service shall be on probation in accordance with the provisions of rule 15.”

7. **Substitution of rule 11 :** For rule 11 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“11. **Future maintenance :** The Service shall be maintained in future as indicated in rules, 12, 13 and 13A.

8. **Substitution of rule 13 :** For rule 13 of the said rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“13. **Recruitment to Grade II of the Service.** (1) Substantive vacancies in Grade II of the Service shall be filled by substantive appointments of persons included in the Select List for the Grade, such appointments being made in the order of seniority in the Select List except when, for reasons to be recorded in writing, a person is not considered fit for such appointment in his turn.

(2) Temporary vacancies in Grade II of the Service shall be filled by appointment of persons included in the Select List for the Grade. Any vacancies remaining unfilled thereafter shall be filled by temporary promotion on the basis of seniority, subject to the rejection of the unfit, of officers of Grade III of the Service who have rendered not less than five years, approved service in that Grade. Such promotions shall be terminated when persons included in the Select List for Grade II become available to fill the vacancies :

Provided that officers of Grade III, appointed to that Grade at the initial constitution, shall be eligible for promotion on the basis of seniority, subject to the rejection of unfit, if they have rendered not less than three year's approved service in that Grade :

Provided further that, if any person appointed to Grade III is considered for promotion to Grade II in accordance with the provisions of this sub-rule, all persons senior to him in Grade III shall also be so considered notwithstanding that they may not have rendered five years' approved service in that Grade.

(3) For the purpose of this rule, a Select List shall be prepared and may be revised from time to time. The procedure for preparing and revising the Select List shall be as set out in the Seventh Schedule.

(4) The length of approved service for promotion to Grade II prescribed in sub-rule (2), may be reviewed by the Government once every three years and revised, if found necessary.”

9. **Insertion of new rule 13A :** After rule 13 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

“13A. **Recruitment to Grade III of the Service :** (1) Vacancies in Grade III of the Service shall be filled by direct recruitment on the basis of competitive examinations held for the purpose by the Institute of Secretariat Training and Management of the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat, limited to member of the Armed Forces Headquarters Clerical Service:

Provided that to the extent a sufficient number of qualified candidates are not available for appointment on the results of such competitive examinations, the vacancies may be filled, provisionally or on regular basis, in such manner as may be determined by the Government.

(2) The Government may, by order, specify the number of vacancies in Grade III of the Service to be filled permanently or temporarily on the results of any examination referred to in sub-rule (1).

(3) Substantive appointment to substantive vacancies in the Grade other than those to be permanently filled in pursuance of any order made under sub-rule (2) shall be made in the order of seniority of temporary officers of the Grade except when, of reasons to be recorded in writing, a person is not considered fit for such appointment in his turn.

(4) The rules for the competitive examinations referred to in sub-rule (1) shall be as determined by regulations contained in the eighth Schedule.

10. **Amendment of rule 15 :** In rule 15 of the said rules,—

(i) in sub-rule (1), after the words ‘Grade II’, the words ‘or Grade III’ shall be inserted;

(ii) in sub-rule (2), for the words ‘Selection Grade or Grade I’, the words ‘Selection Grade, Grade I or Grade II’ shall be substituted.

11. **Amendment of rule 16 :** (i) Rule 16 of the said rules shall be renumbered as sub-rule (1) thereof and in sub-rule (1) as so renumbered, for the expression ‘rule 12 or rule 13’, the expression ‘rule 12, rule 13 or rule 13A’ shall be substituted;

(ii) after sub-rule (1), the following sub-rule shall be inserted namely :—

“(2) When a probationer in Grade III has passed the prescribed tests and has completed his probation to the satisfaction of the appointing authority, he shall be eligible for confirmation in that Grade.”

12. **Amendment of rule 17 :** In rule 17 of the said rules,—

(i) In sub-rules (1), (2) and (3), after the words ‘Grade II’ wherever they occur, the words ‘or Grade III’ shall be inserted;

(ii) In sub-rule (4), for the words ‘Selection Grade or Grade I’, the words ‘Selection Grade, Grade I or Grade II’ shall be substituted.

13. **Amendment of rule 18 :** In rule 18 of the said rules,—

(i) In sub-rule (2), after the word and figure ‘rule 9’, the words and figure ‘or rule 9A’ shall be inserted;

(ii) For sub-rule (4), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(4) (1) The seniority *inter se* of temporary officers included in the initial constitution of the Selection Grade, Grade I or Grade II shall be regulated in the order in which they are so appointed.

(2) The Seniority *inter se* of Steno-typists appointed as Grade III Stenographers at its initial constitution shall be fixed with reference to their seniority in Lower Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Services;

(iii) In sub-rule (5),

(a) For the words “Selection Grade, Grade I and Grade II”, the words “Selection Grade, Grade I, Grade II and Grade III” shall be substituted;

(b) Under the heading “II—Grade II”, for clauses (i) and (ii), the following clause shall be substituted, namely :—

“(i) Permanent Officers—The seniority *inter se* of officers substantively appointed to the Grade shall be regulated by the order in which they are so appointed to the Grade.

(ii) Temporary Officers—The seniority *inter se* of temporary officers appointed to the Grade shall be regulated as follows, namely :—

(a) Persons included in the Select List for the Grade shall rank senior *en bloc* to those not included in the Select List;

(b) The seniority *inter se* of persons included in the Select List shall be in the order in which their names are included in the Select List;

(c) The seniority *inter se* of persons not included in the Select List shall be regulated by the order in which they are approved for long-term appointment to the Grade.”;

(c) After the heading “II—Grade II” and entries therein, the following heading and entries shall be inserted, namely :—

“III—Grade III

(i) Permanent Officers—The seniority *inter se* of officers substantively appointed to the Grade after the appointed day shall be regulated by the order in which they are so appointed to the Grade. Direct recruits appointed against substantive vacancies shall, however, rank *inter se* according to the order of merit in which they are placed at the competitive examination on the results of which they are recruited, the recruits of an earlier examination being ranked senior to those of a later examination.

(ii) Temporary Officers—Persons appointed to the Grade after the appointed day shall rank *inter se* in the order of merit in which they are placed at the competitive examination on the results of which they are recruited, the recruits of an earlier examination being ranked senior to those of a later examination.

(iii) The seniority of officers appointed to the Grade under the proviso to sub-rule (1) of rule 13A shall be such as may be determined by the Government from time to time.

14. Amendment of rule 19 : In rule 19 of the said rules,—

(i) In the beginning for the words 'Selection Grade, Grade I and Grade II', the words 'Selection Grade, Grade I, Grade II and Grade III', shall be substituted;

(ii) After sub-rule (3), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

"(4) Grade III—Rs. 130-5-160-8-200-EB-8-256-EB-8-280."

15. Amendment of rule 20 : In rule 20 of the said rules, in sub-rule (1), for the words 'Selection Grade, Grade I and Grade II', the words 'Selection Grade, Grade I, Grade II and Grade III', shall be substituted.

16. Substitution of rule 23 : For rule 23 of the said rules, the following rules shall be substituted, namely:—

"23. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts;

Provided that, in relation to posts falling within the purview of the Commission, no order in respect of a class or category of persons or posts shall be made except after consultation with the Commission."

17. Amendment of Fourth Schedule : In the Fourth Schedule to the said rules, in the Table under the headings "Grade" and "Authorised permanent strength", after clause (iii) the following clause shall be inserted, namely:—

"(iv) Grade III..... Nil."

18. Insertion of new Schedules : After the Sixth Schedule to the said rules, the following Schedules shall be inserted, namely:—

(i) **Seventh Schedule**—Procedure for the preparation and revision of the Select List for Grade II of the Armed Forces Headquarters Stenographers, Service;

(ii) **Eighth Schedule**—Armed Forces Headquarters Stenographers Service Grade III (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1973;

(iii) **Ninth Schedule**—Armed Forces Headquarters Stenographers Service (Grade II Limited Departmental Competitive Examination) Regulations, 1973;

(iv) **Tenth Schedule**—Armed Forces Headquarters Stenographers Service Grade II (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1973.

THE SEVENTH SCHEDULE

[See rule 13(C)]

Procedure for the preparation and revision of the select list for Grade II of the armed forces Headquarters Stenographers Service

1. Constitution:—Temporary officers of Grade II of the Service who were appointed to the Grade immediately before the appointed day or may be appointed on the results of a competitive examination held by the Commission before the appointed day shall form the Select List for the Grade on such date.

2. Maintenance:—(1) After the initial constitution of the Select List under paragraph 1, the Government may, having regard to the existing and anticipated vacancies in the Grade, add such

number of persons to the Select List as it may think fit from amongst the persons of the following categories, namely :—

(a) (i) persons selected in order of merit on the results of a departmental competitive examination held from time to time for the purpose by the Institute of Secretariat Training and Management of the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat;

(ii) persons selected in the order of their seniority (subject to rejection of the unfit) from amongst Grade III officers of the Service who have put in not less than—

(A) three years approved service in the Grade, in the case of officers appointed to the Grade at the initial constitution under rule 9A;

(B) five years approved service in that Grade, in the case of others.

(b) persons selected in order of merit on the results of a competitive examination held from time to time for the purpose by the Commission:

Provided that the additions to the Select List of the persons falling within the categories specified in clause (a) and clause (b) shall be in the ratio of 3 : 5, that is to say, if three persons are added from amongst the category of persons specified in clause (a), five persons shall be added from amongst the category of persons specified in clause (b), and out of the three persons to be added to the Select List from amongst the category of persons specified in clause (a), if one person is added from amongst the category of persons specified in item (i) thereof, two persons shall be added from amongst the category of persons specified in item (ii):

Provided further that, if persons of the category specified in item (i) of clause (a) are not available to fill the vacancies falling to their quota, the deficiency shall be made up from amongst the category of persons specified in item (ii) of clause (a) and *vice versa*; and if persons of both the categories specified in clause (a) are not available to fill the vacancies falling to their quota, the deficiency shall be made up from amongst category of persons in clause (b).

(2) The competitive examinations referred to in clauses (a) and (b) of sub-paragraph (1) shall be governed by the regulations contained in the Ninth Schedule and the Tenth Schedule, respectively.

3. Seniority : (1) Officers included in the Select List for the Grade constituted under paragraph 1 shall be senior to those included therein after such constitution :

Provided that the seniority of persons recruited through the competitive examinations held by the Commission in whose cases offers of appointment are revived after being cancelled shall be such as may be determined by the Government in consultation with the Commission.

(2) Officers included in the Select List under paragraph 2 shall rank *inter se* in the order in which they are included in the Select List.

4. Removal of names from the Select List : (1) Subject to clause (3), an officer included in the Select List for the Grade shall continue to be included in such List till he is substantively appointed to that Grade.

(2) Officers included in the Select List for the Grade who cannot be appointed to that Grade or who are reverted therefrom for want of vacancies shall continue to be included in such List and retain the seniority assigned to them in the Select List.

(3) The names of persons of the following categories shall be removed from the Select List, namely :

(a) persons substantively appointed to the Grade;

(b) persons transferred substantively to another Service or post;

- (c) persons who die or retire from service or whose services are otherwise terminated; and
- (d) (i) persons officiating in Grade II, beyond the period of probation specified in rule 15 who are reverted therefrom as a result of a departmental inquiry or proceedings under the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965; or
- (ii) persons in Grade II who, either during or at the end of the period of probation specified in rule 15 are reverted therefrom under sub-rule (3) or (4) of rule 17, as the case may be, on the ground of unfitness to continue in that Grade; or
- (iii) persons not yet promoted or appointed on probation to Grade II, who on an annual review of the Select List are found, because of deterioration in their record or conduct or both since inclusion in the List, to have fallen below the required standard ;

Provided that the removal of the name of a person from category (iii) above who has been included in the Select List on the results of a competitive examination referred to in paragraph 2 shall be made in consultation with the Commission.

THE EIGHTH SCHEDULE

[See rule 13A(4)]

The Armed Forces Headquarters Stenographers Service Grade III (Appointment by Competitive Examination) Regulations 1973

In pursuance of sub-rule (4) of rule 13A, read with rule 21, of the Armed Forces Headquarters Stenographers Service Rules, 1970, the Central Government hereby makes the following regulations, namely :

1 Short title and commencement : (1) These regulations may be called the Armed Forces Headquarters Stenographers Service Grade III (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2 Definitions : (1) In these regulation, unless the context otherwise requires—

- (a) "crucial date" means the first day of January of the year in which the examination is held;
- (b) "equivalent grade" means any grade under the Central Government or the State Government the minimum and maximum scale of pay of which was not less than Rs. 55/- and Rs. 130/-, respectively, prior to the 1st July, 1959, and is not less than Rs. 110/- and Rs. 180/-, respectively on or after the 1st July, 1959;
- (c) "examination" means the competitive examination held by the Institute of Secretariat Training and management for appointment to Grade III of the Service;
- (d) "Institute of Secretariat Training and Management" means the Institute of Secretariat Training and Management of the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat;
- (e) "regularly appointed officer to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade" means an officer appointed on a long term basis to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service, according to the prescribed procedure;
- (f) "rules" means the Armed Forces Headquarters Stenographers Service Rules, 1970;
- (g) "Scheduled Castes" and "Scheduled Tribes" shall have the meanings assigned to them by clauses (24) and (25) respectively of article 366 of the Constitution.

(2) All other words and expressions used in these regulations and not defined but defined in the rules shall have the meanings respectively assigned to them in the rules.

3. Holding of the examination : (1) The examination shall be conducted by the Institute of Secretariat Training and Management, in the manner notified from time to time by the Central Government.

(2) The dates on which and the places at which the examination shall be held shall be fixed by the Institute of Secretariat Training and Management.

4. Conditions of eligibility : (1) **Eligibility**—Any permanent or temporary regularly appointed officer to the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service who satisfies the following conditions shall be eligible to compete at the examination, namely :—

(a) **Length of Service :** He has on the crucial date rendered not less than three years approved and continuous service in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service or in any equivalent grade.

Note 1. The limit of three years of approved and continuous service shall also apply if the total reckonable service of a candidate is partly in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service and partly in an equivalent grade.

Note 2. Officers of the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority shall be eligible to be admitted to the examination if otherwise eligible. This also applies to an officer who has been appointed to an ex-cadre post or to another service on transfer if he continues to have a lien in the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service for the time being.

(b) **Age:** He is not more than 45 years of age on the crucial date:

Provided that the upper age limit may be relaxed in respect of the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Schedule Tribes and such other categories of persons as may be notified in this behalf by the Central Government, from time to time, to the extent and subject to the conditions notified in respect of each category.

(2) **Fee:** He must pay the fee prescribed by the Institute of Secretariat Training and Management.

(3) **Special provision regarding eligibility of officers of the Lower Division Grade or the Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service joining military service on account of the Emergency :** Protection shall be afforded to officers of the Lower Division Grade or Upper Division Grade of the Armed Forces Headquarters Clerical Service who because of their having joined or having been called up for military service during Emergency cannot appear in the examination, in the manners specified from time to time by the Central Government in this behalf.

5 Disqualification for candidature : Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may be held by the Institute of Secretariat Training and Management to be a conduct which would disqualify him for admission to the examination.

6 Decision as to eligibility of a candidate : The decision of the Institute of Secretariat Training and Management as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final and no candidate to whom a certificate of admission has not been issued by the said Institute shall be admitted to the examination.

7. Results : (1) The names of the candidates who are considered by the Institute of Secretariat Training and Management to be suitable for appointment on the results of an examination shall be arranged in order of merit, and subject to the provisions of sub-regulation (3) of regulation 8, they shall be recommended for appointment in that order upto the number of appointments decided to be made.

(2) The form and manner of communication of the results of an examination to individual candidates shall be decided by the Institute of Secretariat Training and Management who shall not enter into any correspondence with the individual candidates regarding results.

8. Appointment : (1) Success in an examination shall confer no right to appointment unless the Central Government are satisfied after such inquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects.

(2) Save as provided in sub-regulation (3), appointments on the results of any examination shall be made to the extent of the available vacancies in the order of merit of the candidates recommended for appointment by the Institute of Secretariat Training and Management subject to reservations for the candidates of the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government in this behalf.

(3) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute of Secretariat Training and Management by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination :

Provided that if a sufficient number of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes is not available to fill all the vacancies reserved for them in accordance with the orders of Government issued in this behalf from time to time, the unfilled vacancies shall be filled in the manner prescribed by Government.

9. Penalty for impersonation or other misconduct : A candidate who is or has been declared by the Institute of Secretariat Training and Management guilty of impersonation or of submitting fabricated documents, or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall, may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution,—

(a) be debarred permanently or for a specified period by the Institute of Secretariat Training and Management from admission to any examination or appearance at any interview held by the said Institute for selection of candidates; and

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules.

THE NINTH SCHEDULE

[See paragraph 2(2) of the Seventh Schedule]

The Armed Forces Headquarters Stenographers Service (Grade II Limited Departmental Competitive Examination) Regulations, 1973

In pursuance of the provisions of rule 21 of the Armed Forces Headquarters Stenographers Service Rules, 1970, the Central Government hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These regulations may be called the Armed Forces Headquarters Stenographers Service (Grade II Limited Departmental Competitive Examination) Regulations, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions : (1) In these regulations, unless the context otherwise requires :—

(a) “crucial date” means the first day of August of the year in which the examination is held ;

(b) “examination” means a limited departmental competitive examination held by the Institute of Secretariat Training and Management for making additions to the Select List for Grade II of the Service ;

(c) “Institute of Secretariat Training and Management” means the Institute of Secretariat Training and Management of the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat ;

(d) “regularly appointed Grade III officer” means a person included in the initial constitution of that Grade or appointed thereafter on a long term basis to Grade III according to the specified procedure ;

(e) “rules” means the Armed Forces Headquarters Stenographers’ Service Rules, 1970 ;

(f) “Scheduled Castes” and “Scheduled Tribes” shall have the meanings assigned to them in clause (24) and clause (25) respectively of article 366 of the Constitution ;

(g) “Selection” means inclusion in the Select List for the Grade II of the Service.

(2) All other words and expressions used in these regulations and not defined herein but defined in the rules shall have the meanings respectively assigned to them in the rules.

3. Holding of the examination : (1) The examination shall be conducted by the Institute of Secretariat Training and Management in the manner notified from time to time by the Central Government.

(2) The dates on which and the places at which the examination shall be held shall be fixed by the Institute of Secretariat Training and Management.

4. Conditions of eligibility : (1) Any permanent or temporary regularly appointed Grade III officer of the Service who satisfies the following conditions shall be eligible to compete at the examination, namely :—

(a) **Length of service :** He should have, on the crucial date, rendered not less than three years approved and continuous service in Grade III of the Service from or after the 1st August, 1972.

Note : Grade III Officers who are on deputation to ex-cadre posts with the approval of the competent authority, and those having lien in Grade III of the Service shall be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

(b) **Age :** He should not be more than 45 years of age on the crucial date :

Provided that the upper age limit may be relaxed in respect of the candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and such other categories of persons as may be notified in this behalf by the Central Government from time to time the extent and subject to the conditions notified in respect of each category.

(2) **Fee :** He must pay the fee prescribed by the Institute of Secretariat Training and Management.

(3) **Special provisions regarding eligibility of Grade III officers joining military service on account of the Emergency :** Protection shall be afforded to Grade III officers who because of their having joined or having been called up for military service during the Emergency, cannot appear in the examination, in the manner prescribed from time to time by the Central Government in this behalf.

5. Disqualification of candidature : Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may be held by the Institute of Secretariat Training and Management to be a conduct which would disqualify him for admission to the examination.

6. Decision as to eligibility of a candidate : The decision of the Institute of Secretariat Training and Management as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final and no candidate to whom a certificate of admission has not been issued by the Institute of Secretariat Training and Management shall be admitted to the examination.

7. Results : (1) The names of the candidates who are considered by the Institute of Secretariat Training and Management to be suitable for selection on the results of the examination shall be arranged in the order of merit and, subject to the provisions of sub-regulation (3) of regulation 8, they shall be recommended for selection in that order upto the number of appointments decided to be made.

(2) The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Institute of Secretariat Training and Management in their discretion who shall not enter into any correspondence with the individual candidates regarding the results.

8. Appointments : (1) Success in the examination shall confer no right to selection unless the Central Government are satisfied after such inquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects.

(2) Save as provided in sub-regulation (3), selections on the results of any examination shall be made to the extent of the available vacancies, in the order of merit of the candidates, as recommended by the Institute of Secretariat Training and Management subject to the reservation for the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time, in this behalf.

(3) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Institute of Secretariat Training and Management by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of those candidates for appointment to the service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination :

Provided that if a sufficient number of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes is not available to fill all the vacancies reserved for them in accordance with the orders of Government issued in this behalf from time to time, the unfilled vacancies shall be filled in the manner prescribed by Government.

9. Penalty for impersonation or other misconduct : A candidate who is or has been declared by the Institute of Secretariat Training and Management guilty of impersonation or of submitting fabricated documents, or documents which have been tampered with, or of making statements which are incorrect or false, or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission, to the examination, or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, —

(a) be debarred permanently or for a specified period by the Central Government from admission to any examination or appearance at any interview held by the Central Government or the Institute of Secretariat Training and Management for selection of candidates; and

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules.

THE TENTH SCHEDULE

[See paragraph 2(2) of the Seventh Schedule]

The Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade II (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1973

In pursuance of the provisions of rule 21 of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970, the Central Government, in consultation with the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These regulations may be called the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade II (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions : (1) In these regulations, unless the context otherwise requires,—

(a) "available vacancies" means the additions to the Select List of Grade II of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service which are decided to be made on the results of an examination;

(b) "examination" means a competitive examination held by the Commission for making additions to the Select List of Grade II of the Service and for recruitment to posts of Stenographers in such Service, Departments or Offices, as may be notified from time to time by the Government;

(c) "rules" means the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Rules, 1970;

(d) "selection" means inclusion in the Select List for Grade II of the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service; and

(e) "Scheduled Castes" and "Scheduled Tribes" shall have the same meanings as are assigned to them by clauses (24) and (25) respectively of article 366 of the Constitution.

(2) All other words and expressions used in these regulations and not defined but defined in the rules shall have the meanings respectively assigned to them in the rules.

3. Holding of the examination : (1) The examination shall be conducted by the Commission in the manner notified by the Government from time to time.

(2) The dates on which and the places at which the examination shall be held shall be fixed by the Commission.

4. Conditions of eligibility : In order to be eligible to compete at the examination, a candidate must satisfy the following conditions, namely :—

(1) **Nationality :—**

(a) He must be a citizen of India, or

(b) He must belong to such categories of persons as may, from time to time, be notified in this behalf by the Government.

(2) **Age :** He must have attained the age of 18 years, and must not have attained the age of 25 years on the first day of January of the year in which the examination is held.

Provided that the upper age limit may be relaxed in respect of candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and such other categories of persons as may be notified in this behalf by the Government, from time to time, to the extent and subject to the conditions notified in respect of each of them.

(3) **Educational Qualification :** He must have passed the Matriculation examination of a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India, or an examination held by a State Education Board at the end of Secondary Course for the award of a School Leaving, Secondary School or High School Certificate, or otherwise possess any qualification which has been recognised by the Government for the purposes of admission to the examination.

Provided that in exceptional cases, a candidate who, though not possessing any of the qualifications specified in this clause may be treated by the Commission as educationally qualified if he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

Provided further that a candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result, may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply, provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case no later than two months after the commencement of this examination.

(4) **Attempts at the examination :** Unless covered by any of the exceptions that may, from time to time, be notified by the Government in this behalf, he should not already have completed more than once at the examination held after the 1st January, 1962.

Note 1. A candidate shall be deemed to have competed at the examination once for all the Service or posts ordinarily covered by the examination if he competes for any one or more of the services or posts.

Note 2. A candidate shall be deemed to have competed at the examination if he actually appears in any one or more subjects or papers.

(5) **Fee :** He must pay the fee prescribed by the Commission.

5. **Canvassing of candidature :** Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may be held by the Commission to disqualify him for admission to the examination.

6. **Decision as to eligibility :** The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final and no candidate to whom a certificate of admission has not been issued by the Commission shall be admitted to the examination.

7. **Results :** (1) The names of the candidates who are considered by the Commission to be suitable for selection on the results of the examination shall be arranged in the order of merit and subject to the provisions of sub-regulation (5) of regulation 8, they shall be recommended for selection in that order up to the number of available vacancies.

(2) The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion; and the Commission shall not enter into any correspondence with the individual candidates regarding the results.

62 GI/72-3.

8. **Appointment :** (1) Success at the examination shall confer no right to selection, unless the Government is satisfied, after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for selection.

(2) No candidate shall be selected unless he is, after such medical examination as the Government may prescribe, found to be free from any mental or physical defect which is likely to interfere with the discharge of the duties of the Service.

(3) No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the Service.

Provided that the Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this regulation.

(4) Save as provided in sub-regulation(5) of this regulation, selection on the results of any examination shall be made to the extent of the available vacancies, in the order of merit of the candidates recommended by the Commission for selection, subject to reservations for the candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in accordance with the orders issued by the Government in this behalf from time to time.

(5) Candidates belonging to any of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for selection, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination :

Provided that if a sufficient number of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes is not available to fill all the vacancies reserved for them in accordance with the orders of Government issued in this behalf from time to time, the unfilled vacancies shall be filled in the manner prescribed by the Government.

9. **Penalty for impersonation or other misconduct :** A candidate who is or has been declared by the Commission guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination, or of using or attempting to use unfair means in the examination hall or of misbehaviour in the examination hall, may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution :—

(a) be debarred permanently or for a specified period—

(i) by the Commission, from admission to any examination or from appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates; and

(ii) by the Government from employment under them;

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

10. Repeal and Savings : The Armed Forces Headquarters Stenographers' Service (Appointment by Competitive Examination) Regulations, 1971 published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. SRO 332 dated the 24th August, 1971, are hereby repealed :

Provided that any order made or action taken under the regulations so repealed shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provisions of these regulations.

[File No. 97313/GIII/CAO/DPC]

P.N. MENON, Assistant Chief Administrative Officer

**EXPLANATORY MEMORANDUM
THE ARMED FORCES HEADQUARTERS
STENOGRAPHERS' SERVICE (SECOND
AMENDMENT) RULES, 1973**

It has been decided by Government *vide* Ministry of Defence Office Memorandum No. 97313/ST/CAO(DPC) dated 10-8-1972 that the existing posts of Steno-typists in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations should be converted into posts of Stenographers Grade III in the scale of Rs. 130-5-160-8-200-EB-8-256-EB-8-280 with effect from 1-8-1972 and included in the Armed Forces Headquarters Stenographers' Service. It has, therefore, become necessary to give retrospective effect from 1-8-1972 to the above amendments.

It is certified that the interests of no one would be prejudicially affected by giving retrospective effect to the above amendments.